

# Abhyudaya

Convocation 2021 Special Edition Newsletter

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

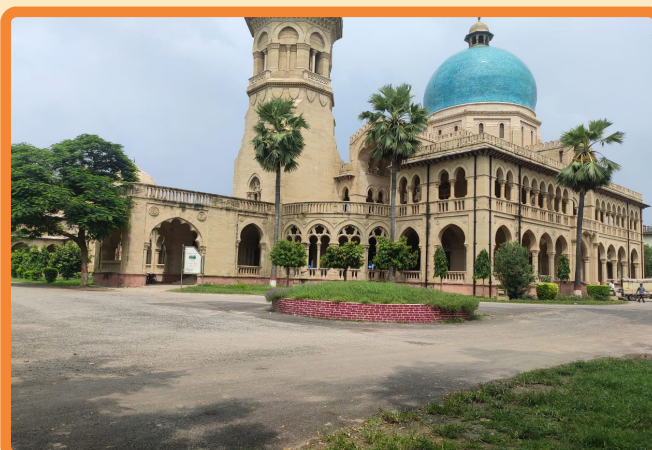


QUOT RAMI TOT ARBORES

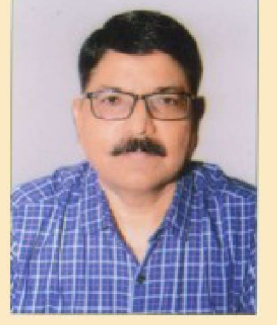
यावत्यः शाखास्तावन्तो वृक्षाः

## Crossing Milestones

- New dynamic and scalable website launched, departments given better wi-fi connectivity and internet facility.
- The process of digitalizing the library and converting administrative offices into e-offices is underway.
- Under New Education Policy, 10 new integrated courses are ready to be launched and restructuring of the syllabus is underway.
- Notional promotions of the non-teaching employees have been made after 28 years.
- Compassionate appointments have been made after 15 years.
- Roster prepared and advertisements out for filling up the vacancies of 597 teaching positions, 4 Assistant Librarians and 412 Non-teaching positions.
- Teaching and examination were shifted to online mode and timely shutdown of the campus during COVID-19 flareup minimised its fatal impact.
- 8 new buildings including a Women's hostel, a Men's hostel and an Extension Hostel for International Scholars, the Meghnad Saha Instrumentation Centre, the Ishwar Topa Complex and the Student Activity Centre are ready.
- The restored Vizianagaram Hall complex has been beautified.
- A new Museum Gallery of stalwarts associated with the University is being set up in the library Hall of the Vizianagaram Complex.
- Teachers promoted under Career Advancement Scheme and their salary fixation has been done. Ph. D. increments of teachers given after 4 years.
- Improved sports facilities are being developed in collaboration with the Smart City Project.
- Under the Clean Campus Green Campus drive facelifting and beautification of all five campuses of the University is underway.
- University Guest House and V.C. Camp Office have been renovated. Better facilities are now available for participants visiting under UGC-HRDC programmes.
- Alumni Portal has been activated and an Alumni meet is under planning.
- A student feedback process has been initiated in online mode. A 5-point response scale about the quality of teaching has been put in place.
- Regular meeting of administrative and academic heads is taking place, to accelerate speed of disposal of work.
- Convocation 2021 is being held after three years.



## Editorial



Abhyudaya is the arrival of a new dawn, the spreading of light once again and the awakening of a new hope. In the context of the University of Allahabad, there is a reawakening of the institution from a slumber of decades, an attempt to move in a new direction with a new leadership at the helm of affairs. On November 30, Prof. Sangita Srivastava took over as the first woman Vice-Chancellor of the University. A new vision of dynamic leadership was found in the newly appointed Vice Chancellor. Abhyudaya is defined by the efforts made by the Honorable Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava to revive the institution and restore the lost glory of the University. Honorable Vice Chancellor has tried to steer the university on a new path in every aspect of the life of the university. Work stalled for decades in the university has been accomplished. She is putting in tireless efforts to strengthen the organizational and infra structural set-up of the institution before the flights into the skies of prospects takes off. The decades long stalled promotions of the non-teaching staff have been done, the process of recruitment of teachers and non-teaching staff has started, a state of art website has been launched and the beautification of the campus is underway on an unprecedented scale. Buildings are being maintained and repaired and gardens developed to meet up to the architectural beauty of the structures dotting the campus. With the second wave of Corona, the university had to shutdown. The transition to classes and exams being conducted online was efficient and prompt. Most remarkably, the planning and strategizing about the work was done through online meetings during the period of shutdown. Preparations for the implementation of the New Education Policy in 2023 are progressing rapidly and plans are in place to start new courses. The team, under the able leadership of the Vice-Chancellor Prof Sangita Srivastava, has made laudable efforts while battling with the odd challenge of Corona. The university is moving into a reawakening, an Abhyudaya, in every way.

I extend a sincere and heartfelt thanks to Public Relations Officer Dr. Jaya Kapoor and Sri Santosh Kumar Mathur for their unceasing efforts to bring out the newsletter within time.

Prof. N. K. Shukla  
(Registrar)

## MOTTO in Sanskrit

The motto of University  
has been translated into Sanskrit as

Quot Rami Tot Arbores

“यावत्यः शाखाःस्तावन्तो वृक्षाः”

by the Department of Sanskrit. The motto has been included logo of the University.



धर्मेन्द्र प्रधान  
धर्मेश्वर प्रधान  
Dharmendra Pradhan



मंत्री  
शिक्षा; कौशल विकास  
और उद्यमशीलता  
भारत सरकार

Minister  
Education; Skill Development  
& Entrepreneurship  
Government of India

## संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि ज्ञान, विज्ञान, कला, साहित्य एवं अनुसंधान के क्षेत्र में श्रेष्ठ गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपने 134वें स्थापना दिवस के अवसर पर दीक्षांत समारोह का आयोजन करने जा रहा है।

भारतीय संस्कृति में दीक्षांत की परम्परा अत्यंत व्यापक एवं प्राचीन है। वर्तमान से लगभग 2500 वर्ष पूर्व तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली के 11वें अनुवाक में आचार्य अपने शिष्य को दीक्षांत उपदेश देते हुए कहते हैं कि “सत्यं वद, धर्मं चर, स्वाध्यायान्मा प्रमदः।..... मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्यदेवो भव।... एष आदेशः, एष उपदेशः, एषा वेदोपनिषत्।” अर्थात् सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो, बुद्धिवर्धक-ज्ञानवर्धक-शास्त्रों के नित्य स्वाध्याय में प्रमाद मत करो। हमारा पठन-पाठन अब समाप्त हुआ, ऐसा मत समझो।..... माता-पिता-गुरु के प्रति सदैव श्रद्धा और देवत्व का भाव मन में रखो।... यही आदेश है, यही उपदेश है, यही वेद का रहस्य है।

वस्तुतः आचार्य द्वारा प्रदत्त यह तेरह उपदेश या आदेश एक सुचितित एवं सुविचारित सम्यक जीवन-दृष्टि है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी परास्नातक आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं शोध संस्थान, चंडीगढ़ के 34वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए इस सम्यक जीवन-दृष्टि का विस्तार से उल्लेख किया है – “आज का यह समारोह शिक्षांत समारोह नहीं है, यहाँ शिक्षा का अंत नहीं होता है। यह विद्यांत समारोह नहीं है, यह विद्या की उपासना का अंतकाल नहीं है। यह दीक्षांत समारोह है। हकीकत में जो आपने सीखा, समझा, पाया और अनुभव किया है, उसे अब कसौटी पर कसने का सच्चा वक्त प्रारम्भ होता है।”

मुझे विश्वास है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उपाधि प्राप्त विद्यार्थी एवं शोधार्थी इस सम्यक जीवन-दृष्टि को धारण कर विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्रोत्थान के लिए करेंगे। मैं उपाधि-प्राप्त विद्यार्थियों के भविष्य की मंगलकामना करते हुए सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3<sup>rd</sup> Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365  
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825  
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह  
अध्यक्ष

**Prof. D. P. Singh**  
Chairman



विश्वविद्यालय अनुदान आयोग  
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार  
**University Grants Commission**  
Ministry of Education, Govt. of India

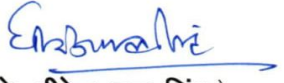


### संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपने 134वें स्थापना दिवस के अवसर पर 23 सितम्बर, 2021 को दीक्षांत समारोह का आयोजन कर रहा है। दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय और वहाँ के छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर होता है। इस अवसर की मधुर स्मृतियां वर्षों तक सबके मन-मस्तिष्क में रहती हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ख्याति समूचे देश में एक प्रतिष्ठित संस्था के रूप में है।

साहित्य, विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, विधि आदि कई क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां अतुलनीय हैं। अपने उच्च शैक्षणिक क्रियाकलापों तथा नवीन वैज्ञानिक शोधों के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पूरे देश में ख्याति रही है। दीक्षांत समारोह समस्त विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का क्षण है। इस अवसर पर जिन विद्यार्थियों को पदक मिल रहे हैं, उनके लिए भी यह अविस्मरणीय पल है।

मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० संगीता श्रीवास्तव, कार्यपरिषद तथा विद्यापरिषद के सदस्यों, समस्त शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा विद्यार्थियों को इस अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूँ तथा दीक्षांत समारोह की सफलता की कामना करता हूँ।

  
( प्रो० धीरेन्द्र पाल सिंह )

8 सितम्बर, 2021

बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

दूरभाष Phone : कार्यालय Off. : 011-23234019, 23236350, फ़ैक्स Fax : 011-23239659, e-mail : cm.ugc@nic.in | web: www.ugc.ac.in



**UNIVERSITY OF ALLAHABAD**

Prayagraj – 211 002, U. P. (INDIA)

**इलाहाबाद विश्वविद्यालय**

प्रयागराज – 211 002, उ०प्र० (भारत)

आशीषकुमार चौहान  
Ashishkumar Chauhan  
कुलाधिपति  
Chancellor

### संदेश

अपनी महतीय परम्परा और गौरवशाली इतिहास के कारण इलाहाबाद विश्वविद्यालय देश के अन्य विश्वविद्यालयों से भिन्न और अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

विश्वविद्यालय ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपने 134वें स्थापना दिवस के शुभ अक्सर को दीक्षान्त समारोह के रूप में मना रहा है।

स्थापना दिवस पर आयोजित दीक्षान्त समारोह में सहभागी होने वाले सभी विद्यार्थियों को मैं, हृदय तल से बधाई देता हूँ साथ ही समस्त विश्वविद्यालय परिवार को भी शुभकामना देता हूँ कि वह अपने अतीत की वैभवशाली परम्परा को भविष्य में भी समृद्ध, पुष्पित और पल्लवित करते रहें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो० संगीता श्रीवास्तव और कुलसचिव, प्रो० नरेन्द्र कुमार शुक्ल को भी कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(आशीषकुमार चौहान)

## Message from Honble Vice Chancellor



**Prof. Sangita Srivastava**  
Vice Chancellor, Allahabad University

### Dear Every One,

The fourth oldest Institution of India, the famous University of Allahabad, had embarked on its journey in 1887. The University, under the past dynamic leadership of stalwart Vice-Chancellors and an enriched faculty team, has delivered yeomen service to the nation, by way of producing eminent writers, researchers, poets, political leaders, Vice president of India, Judges, advocates, Chief Justices of India, bureaucrats and eminent citizens.

This University was standing on pinnacles of glory when the freedom movement began. The University has heard the gun shot, that Chandra Shekhar Azad made on himself, when he was surrounded by the British from all sides. Even today those shots reverberate in the collective memory to the Institution and strengthen its resolve to build a stronger nation.

One hundred and thirty-four years have rolled by, the University has been changing hues from time to time, still striving to produce the best human resource for the nation. It stands proud of the inheritance, which the pristine beauty the Viziyanagaram Hall and the Senate Hall, built in a unique Indo-gothic style, are symbols of.

The University, for various reasons, could not fill up vacancies over the span of last 40 years. Consequently, the existing faculty are having to work harder to meet the ever-increasing teaching load besides handling other institutional responsibilities. With the advent of the new and first women Vice Chancellor, the university is brimming with hope for a new tomorrow. The campus is vibrant again after COVID-19 parted ways, with little damage to the faculty.

Meanwhile, the university has covered a lot of ground in the preparations for implementation of the New Education Policy. 10 new integrated courses have been designed and existing syllabus is being restructured and revitalized as a part of the process. These developments will enable us to meet the requirements of a highly digital world, which will function faster with new algorithms of Artificial intelligence and rapid pace of communication. The changes demand a special focus to be laid on skill transfer, acquiring of soft skills and language proficiency. Language and communication proficiency is imperative as the physical world shrinking into smaller digital spaces. It is important that our youth should know at least two to three international languages and two Indian languages apart from their mother tongue. The university is committed to empower its young minds with the right education in the right direction.

With the new wind under its wings, I wish it will soar to newer horizons, taking on the challenge of preparing students who are at par with a new world order.

A handwritten signature in black ink, reading "S. Srivastava".

(Prof. Sangita Srivastava)

## Joining & Welcome

Prof. Sangita Srivastava took charge of the office with the honor and distinction of being the first lady Vice Chancellor of the University on 31.11.2020. A large number of teachers and employees were present on the occasion and extended a warm on the welcome to her with bouquets. Various eminent citizens and administrative officials met her and extended their best wishes to her on the occasion.



Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava greeted by the Registrar Prof. N.K. Shukla after taking charge



Hon'ble Vice Chancellor being greeted by the faculty, employees and others



The then District Magistrate Shri Bhanu Chandra Goswami greeted the Hon'ble Vice Chancellor on assuming office



Teachers of the Department of Family and Community Science extending their best wishes to the Vice Chancellor.



Hon'ble Vice Chancellor addressed the Media after taking charge of the Office



Teachers extended a warm welcome to the Vice Chancellor on the occasion.



## Welcome by the Science Faculty

A Felicitation ceremony in honour of the newly appointed Vice Chancellor was organized by the teachers of the Science Faculty, in the Department of Botany on 09.12.2020. She was presented a memento on the occasion and garlanded with a special garland by the Department of Family and Community Science teachers. The Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava said on this occasion that it is her dream that the university be restored to its former glory. On this occasion, the Dean, Prof. Shekhar Srivastava and other teachers expressed confidence that the university is taking a step towards a better future



Teachers of the Department of Family and Community Science greeted Prof Sangita Srivastav with a garland



The Dean, Science Faculty, Prof. Shekhar Srivastava and other teacher felicitated the Hon'ble Vice Chancellor.



Prof. S. I. Rizvi, on behalf of the Science Faculty, presented a memento to the Vice Chancellor



On 22.01.2021 the Head, Department of Family and Community Science extended a welcome to the newly appointed Vice Chancellor at a felicitation programme.



The newly appointed Vice Chancellor addressed the gathering at the felicitation programme organized by the Science Faculty.

## Welcome by AUTA

Allahabad University Teacher's Association welcomed and felicitated the newly appointed Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava in a function on 05.02.2021. On this occasion AUTA president Prof. R.S. Dubey, Secretary S.M. Prasad and Vice President Prof. A.R. Siddiqui assured her of their complete cooperation. Speaking on the occasion Prof. Sangita Srivastava said that she realizes that there are a lot of expectations from her and expressed her confidence that with the cooperation and in solidarity it will possible to take the institution to its glorious heights.



AUTA President Prof. Ram Sewak Dubey, Vice President Prof. A. R. Siddiqui and Secretary Prof. S.M. Prasad presented a memento to the Hon'ble Vice Chancellor



Newly appointed Vice Chancellor arrives at the venue of the felicitation program organized by AUTA.



The female faculty felicitated the Hon'ble Vice Chancellor with a special Garland



The Vice Chancellor addressed the gathering at the function



A large number of teachers from constituent colleges were present during the felicitation programme of the AUTA.



AUTA President Prof. Ram Sewak Dubey, Secretary Prof. S.M. Prasad along with the Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava

## Welcome by Non Teaching Staff

On Dec 16, 2020, a program was organised at the Senate Hall by non teaching staff of the University to welcome the newly appointed Vice Chancellor Prof S Srivastava. The union secretary presented a bouquet and garland to welcome the Hon'ble Vice Chancellor. She talked about the issues of compassionate appointment, regularization and unbiased promotion along with the fact that reverting to 5 day week has means that Saturday is now an off. Registrar Prof. NK Shukla also greeted the Vice Chancellor, and appreciated the gesture of the entire non teaching staff.



Employee Union president Shri S. K. Ojha welcomed Hon'ble Vice Chancellor



The Vice Chancellor felicitated by the women member of the Employee Union

## Training for Office Digitalization

A workshop was conducted in the University of Allahabad, on 16th March 2021, for all the non teaching staff of the university. The workshop was addressed by the Deputy Registrar from Kashi Hindu Vishwavidyalay Dr S.P. Dhyani. The program was inaugurated by Professor Shekhar Srivastava. Dr Dhyani shared his experiences and said that in any university the non teaching staff is as important as the teaching faculty of the university. Through a PowerPoint Presentation he explained in detail how to make noting in the file, how to respond to RTI, how to decide the roster for appointments, how to prepare an agenda for a meeting and how to clear confidential matters of the university. He also discussed in detail the directions given by the government regarding the employees of the central universities. Finance officer Dr Sunil Kant Mishra proposed the vote of thanks. Among those present on the occasion were Mr MP Nirala, Nishi Mohini, Ved Srivastava, Vishnu Prasad, Ajay Srivastava, Susheel Singh, Piyush Mishra, Devesh Goswami, Jitendra Bahadur Singh among the other non teaching members of the university staff.



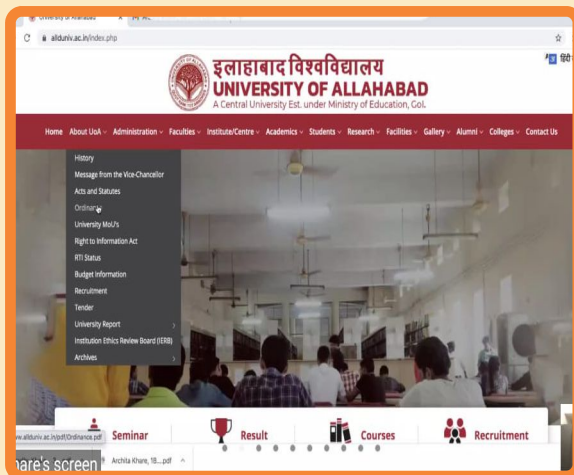
Deput Registrar, Kashi Hindu University, Dr. S.P. Dhyani addressed the meeting

## New Website - Meeting and Launch

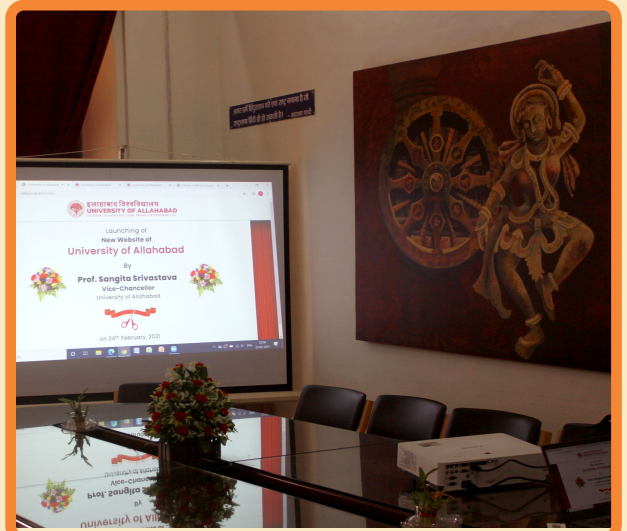
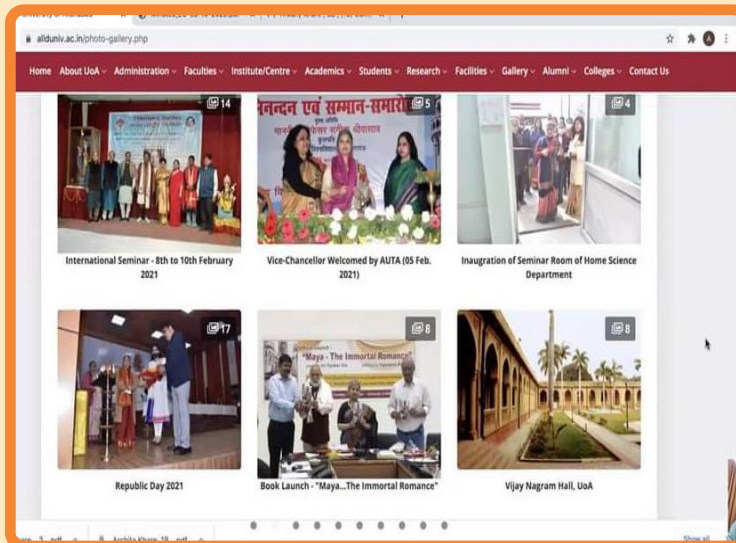
The new website of the University of Allahabad was launched on 24 Feb 2021, over a zoom meeting, by the Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava. In her inaugural address she termed the website as vibrant, user-friendly, dynamic and at par with the Global standards. The Chairman of the ICT Cell Prof Ashish Khare told that the website is easy to use and navigate. An important feature is that the website is scalable. A very important feature on the website, which will make the website fully dynamic in nature is that any authorized user of the website like deans, heads, faculty members, officers can themselves edit the information of their unit or their page.



The Hon'ble Vice Chancellor Prof Sangita Srivastava and the Registrar Prof. N.K.Shukla in a meeting with the website agency.



The Vice Chancellor launched the new website in an online meeting

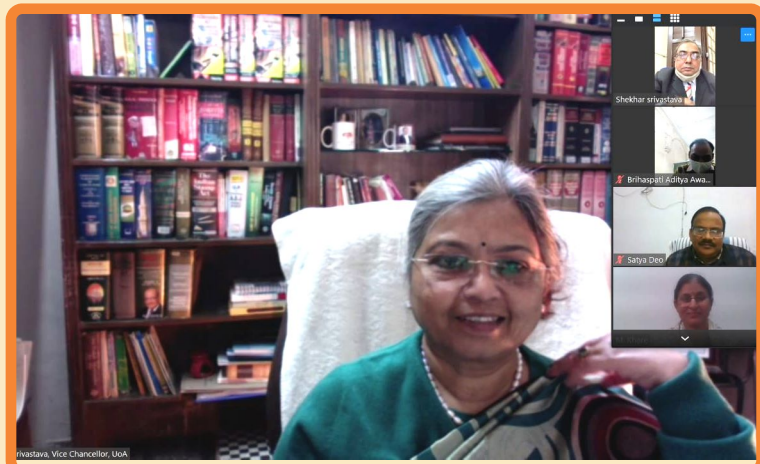


# ICT - REFORMS, Online Calsses and Exams

Hon'ble Vice Chancellor, in consultation with the I.C.T. Cell of the university, speeded up the process of strengthening the ICT infrastructure of the university. Efforts to do so began to be made rapidly. The new website of the university has been launched. To smoothen the process of teaching and examination during the period of Covid 19 shutdown of the campus, the net connectivity of all the departments was improved. Wi-fi dongles were provided to all departments. All exams were held in the online mode successfully. Decision was taken to start the work of digitization of the offices of Finance Officer & Registrar. This will make work easier and with speedy disposal of files, the administration will be more effective. The offices will also be linked to LAN so that the progress of files can be viewed and required data sent to Ministry and UGC with ease. The process of digitization of more than 17,000 awarded D.Phil. research thesis and other library resources of the university has started rolling. All research thesis after January 2010 till now have been up loaded on Shodh Ganga.



The first meeting of the Vice Chancellor with the members of the ICT Cell



The Examination Committee decided to hold all the exam in online mode during the COVID-19 shutdown of the University campus



The process of Digitalization of the books and other resources of the library has begun.



The Examination Committee provided videos of directions and practice link on the University website to help the student give the exam in online mode.

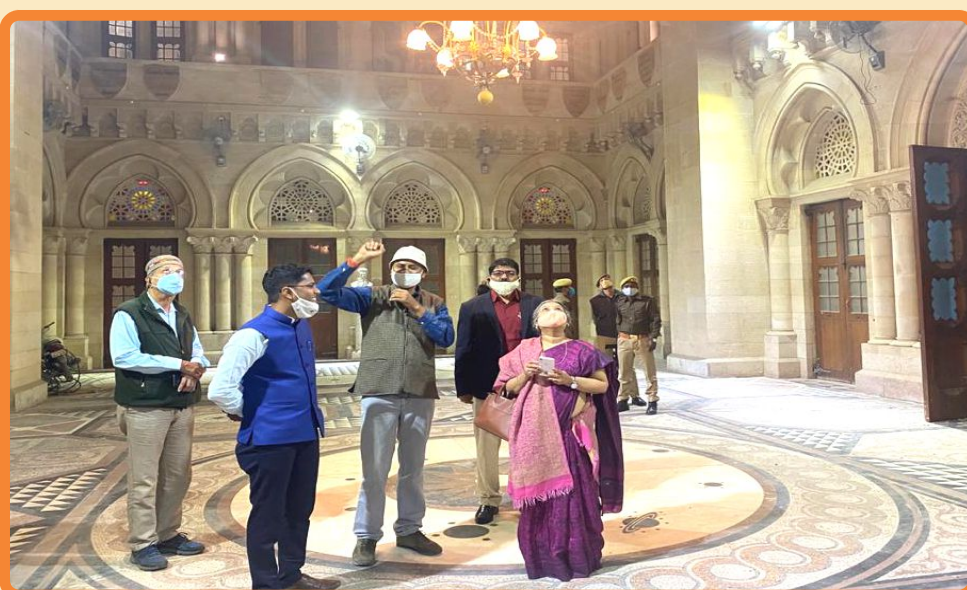
## Meeting with Departments on AISHE & NIRF

Several meetings were held by the Vice Chancellor with the Departments of the University for deliberation over departmental problems and NIRF/AISHE ranking issues. The Hon'ble Vice Chancellor specifically focused on the quality of research, research publications in good journals, projects and patents. Division of students as per caste, numbers of NET/JRF, placements, employability, physically challenged students, sports and cultural activity in the university were also the highlights of meeting. Prof. S.I Rizvi, Dean Research and Development and Prof. A. R. Siddiqui, Nodal officer for NIRF ranking also explained to the faculty members about the details on which the format has been filled up. The Vice-Chancellor mentioned the importance of digitalized education system in COVID-19 era. The importance of well-functioning website was discussed to maintain the contactless work culture in the university. She further said that all the lectures should be uploaded on the website, this will help students to get access of study material and teachers may also get an opportunity to get projects from different organization. Placement and employment of students was one of the most important agenda that was discussed by the Vice Chancellor. She asked for the development of new programs to make students skilled and employed.

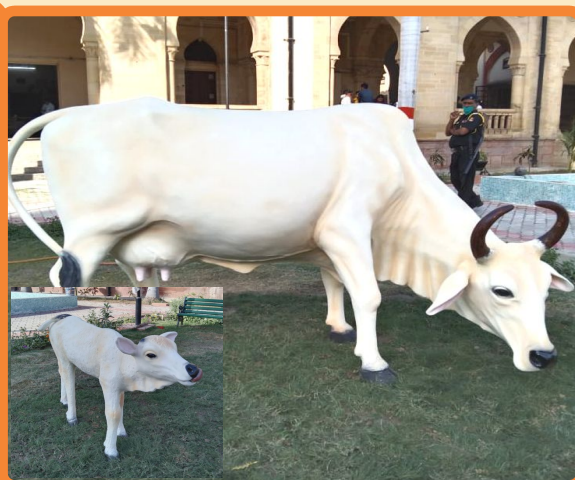


## Vizayanagram Hall Beautification

Honorable Governor of Uttar Pradesh Mrs Anandiben Patel Ji inaugurated the restored Vizayanagram hall complex of the University of Allahabad. On this occasion she also inspected the Vizayanagram hall, the photo gallery and the Gardens in the newly restored campus. On this occasion she released a special cover of the Vizayanagram Hall brought out by the Postal department. She also released the university newsletter. The Vice Chancellor Prof Sangita Srivastav presented her with a memento of the Banyan tree. The Honorable Governor inaugurated the photo gallery set up in the Vizayanagram hall . The photo gallery has photographs of remarkable people who have made remarkable contributions in different walks of life, and are associated with the university . She also saw the newly set up statue of Gautam Buddha and appreciated the green gallery brought up around the statue. She garlanded the statue of the Cow and the Calf that has been set up in the gardens of the Vizayanagram hall campus. She gave the name Pavitra to the cow and Gaura to the calf.



The Vice Chancellor accompanied by the Registrar Prof. N. K. Shukla, Engg. Mr. Naveen Singh, Prof. R.K. Upadhyay and others inspected the beautification drive at the Vizayanagram Hall.



The statue of the cow PAVITRA and calf GAURA setup in the garden of Vizayanagram Hall

## Restored Vizayanagram Hall Inauguration

The Hon'ble Governor gave certificate and trophy to the students of the university who have made the statues. Pankaj Shukla, Ravi Prakash and Rajnish Verma are students of the visual arts department of the university. They have also, earlier, made the statue of the buffalo and the milkman set up in the senate hall campus. The project of renovation and restoration of the Vizayanagram Hall took 2 years and was done by RITES agency. It completed the project in collaboration with Savani Heritage conservation.



The restored Vizayanagram Hall was inaugurated by Hon'ble Governor Smt Anandiben Patel, accompanied by Hon'ble Vice Chancellor, the Registrar, Prof. Rita Joshi and others.



The Chief guest and other dignitaries unveiled a special postal cover on the Vizayanagram Hall.



The Hon'ble Governor Smt Anandiben Patel was presented a memento by the Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava



The Hon'ble Governor Smt Anandiben Patel inspected the Photo Gallery at the Vizayanagram Hall



The Hon'ble Governor Smt Anandiben Patel appreciated the beautification of the Vizayanagram Hall Complex.

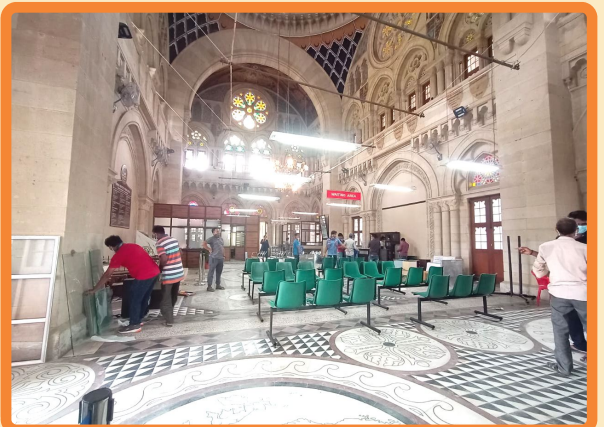


## NBT Book Launch

A programme was organized in the North Hall of 27 July 2021, by the Central Cultural Committee of Allahabad University. The Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava said in her address as the chief guest on the occasion that translation in itself is a complex process and translation of children's literature demands even more effort. Books expand our world. Everyone should be friends with books. President of the Central Cultural Committee Prof. Santosh Bhadauria outlined the entire workshop and the whole process of successful translation of books was put forth in detail. He thanked the people involved in the workshop for enriching the world of the literature in Hindi with 30 wonderful books. Special guest of the program Prof. Pankaj Kumar, Chairperson, Faculty of Science Prof. Shekhar Srivastava, Prof. Ajay Jaitley, Prof. Dhananjay Chopra, Prof. AR Siddiqui, Dr. Jaya Kapoor were present on the occasion.



## Shooting of the Film "Doctor G"



The shooting of the movie DOCTOR G starring Ayushman Khurana and Rakul Preet, directed by Anubhuti Kashyap, was held in the Department of English and the Vizayanagram Hall

## University Calendar Launch

Allahabad University calendar 2021 was launched in the North Hall in the presence of all the Deans and Heads of Departments. The calendar is a collection of pictures of Vizianagaram Hall after restoration and beautification. It also contains a brief information about the unique architectural style of Vizianagaram Hall. All photos have been presented to the university by Shri Varad Nath.



## Book Launch of *Maya*

The book "Maya - The Immortal Romance" by Tejkar Jha was launched in the North Hall. The Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sangita was the chief guest on the occasion. Speaking about the book Prof. Srivastava said that the book "Maya - The Immortal Romance" is memoir of Prof. Amar Nath Jha. The diaries with the help of which this book has been written have a historical place for the university. He was endowed with a splendid personality and was the pride of the university. The University is proud of his achievements and his bust in A. N. Jha Hostel and the books written by him need to be highlighted. Teachers from various departments of the university and journalists, writers and social activists were present.



Maya - The Immortal Romance a book by Tejkar Jha, based on dairies of Prof. A.N.Jha, was launched by Hon'ble Vice Chancellor along with Registrar Prof. N.K.Shukla, Prof. Heramb Chaturvedi, Prof. Shekhar Srivastava, Prof. Harsh Kumar, Prof. Pankaj Kumar and others

## Swami Vivekanand Jayanti - Yuva Divas

January 12, 2021, the National Youth Day was celebrated by the Central Cultural Committee in the North Hall. The chief guest on the occasion was noted thinker and former Head of the Dept of English and Modern European Languages, Prof Manas Mukul Das. The meeting was chaired by the Hon'ble Vice Chancellor of the University of Allahabad Prof Sangita Srivastava. Dr Chitranjan Kumar welcomed the guests. Prof Manas Mukul Das opened his address with the question as to why when every creature educates its young ones to be their own species, we do not teach our young ones to be human. He continued that the vision of India is oneness of the creation and universe. When Europe talked of nationalism it was as a militant nationalism, but when India talks of creation it talks of oneness of universe. The basis of science and the basis of philosophy are the same in Indian thought. The infinite and nothing are the same. Vivekanand was trying to make himself to a shoonya.



Hon'ble Vice Chancellor with the eminent speaker Prof. Manas Mukul Das



Hon'ble Vice Chancellor, eminent speaker Prof. Manas Mukul Das with the members of Central Cultural Committee and other Guest

## Eminent Lecture by Prof. Rajendra Singh

Online lecture series was organized under the aegis of the Central Cultural Committee at Allahabad University as part of water conservation awareness campaign. The chief guest on the occasion was Prof. Rajendra Singh. Rajendra Singh has been honored with Ramon Magsaysay Award for water conservation. He shared his experiences on various issues related to water awareness. Rajendra Singh, known as Jal Purush, said that in the ancient traditions of India, Neer, Nari and Nadi were considered equal to Narayan but with the changing times, we have stopped respecting water. Only he who will respect the water should have the right to use the water. Giving examples of many areas of Rajasthan, he told that people travel for miles for every drop of water. Sharing his experience Prof. Rajendra Singh, said that he has travelled to more than 100 countries and has realized that the students have to be told from very beginning that it is important to conserve nature and water. He also drew everyone's attention to the challenges in the task.

विशेष व्याख्यान  
रहिमन पानी राखिये

मुख्य वक्ता  
जलपुरुष श्री राजेन्द्र सिंह जी

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त  
9 अगस्त 2021, रविवार, अपराह्न 2 बजे

संरक्षक  
प्रो० संगीता श्रीवास्तव  
कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

संचालन डॉ० चितरंजन कुमार  
स्वागत वक्तव्य प्रो० संतोष भदौरिया

## Women's Day

International Women's Day was observed in the University of Allahabad in a programme titled "Sangharsh aur Mukti". The programme was the also the inaugural function of the Tilak Hall after its refurbishments. The chief guest on the occasion was retd Hon. Justice Vijaylakshmi. Among the other guests of honour were notable critic Professor Rajendra Kumar and acid attack survivors and activists Miss Dolly and Miss Rupa from the Chaanv Foundation. The program was chaired by the Honorable Vice-chancellor Professor Sangita Srivastava. The chairman of the Central Cultural Committee Prof Santosh Bhaduria welcomed the

guests and said that the changes happening in the university are a reflection of the effort of the Hon. Vice Chancellor Prof Sangita Srivastava. As the first woman to have come to the helm of affairs in the history of the university she is bringing the university back to life in the true spirit of woman as a life giver and nurturer. Renowned critic Prof Rajendra Kumar said in his address that Woman's Day is symbolic of the effort that remains to be made to give the due respect to women in society. He said that he feels fortunate to be a witness to the moment when in

this institution on this day the stage is a living reminder of empowerment with the Chairperson, the chief guest and the special speakers all being not just women but examples of empowered women. He said that our biological identity is beyond our control but our social identity is often imposed upon us. Nature distinguishes but does not discriminate. It is the society that discriminates. He added that Women's studies is not just a product of the western thought rather, Mahadevi Verma wrote "Shrinkhala ki Kadiyan" much before any major document of women's thought came out in the West. Justice VijayLakshmi said in her address that the theme of this year's International Women's Day is "Choose to Challenge" and reflects the essence of the programme today titled "Sangharsh aur Mukti". We should not consider challenges to be barriers but opportunity.



Inauguration of Tilak Hall and lamp lighting by the guests



Hon'ble Vice Chancellor and Cultural Committee Chairman Santosh Bhadoriya



Hon'ble Justice Vijaylakshmi and Hon'ble Vice Chancellor Prof. S. Srivastava



Kumari Rupa, CHANV Foundation



Eminent Critic and Speaker Prof. Rajendra Kumar

## Republic Day

The Republic Day was celebrated with traditional joy and enthusiasm in the University of Allahabad. The program began with the Honorable Vice-chancellor Professor Sangita Srivastava unsolved the Tricolor. She then inspected the guard of honour of the NCC cadets and accepted the greetings of the NSS volunteers. In her address she said that Allahabad city and Allahabad University have an important place in the Nationalist movement of the country. She remembered exceptional young leaders like Shahid Lal Padmdhar whose contribution is remembered with pride and respect. She said that there a need for us to come together and introspect not just the teachers and the administrators but also the students and the citizens who consider the university to be the soul of the academic life of the city. She stressed on the importance of research because it is from this research that the river of development will flow and build a self-sufficient and she said that we have to inculcate the feeling of national pride within us in this effort she dreams that the University of Allahabad will lead the way. Later a program was organised in the Senate hall where a bhajan was presented by the music department. A documentary based on the life of freedom fighter and national leader Pandit Shyamji Krishna Verma was also shown on the occasion.



## Republic Day

The Honorable Vice Chancellor said that the University has a proud legacy and she is determined to revive and get back the Esteem that it has lost in the past few years. Larry Collins and Dominique Lapier's book "Freedom at Midnight" says at one point that when India gained Independence and the national flag was hoisted, half a million people were present on the roads of Delhi but the people did not purchase bus tickets, arguing that the bus fare had been levied by the colonial rulers and now that India is independent the fare is unnecessary. But in the three years when we became a Republic we learnt that with great freedom comes great responsibility, and in order to enjoy freedom we need to be disciplined. In the same way if we need to enjoy academic freedom, we also need academic discipline and if we fail to do so we are engaging in corruption. She said that it is encouraging that most of the teachers have started taking online classes from the university, though some teachers are still finding it difficult to meet these classes from the campus. She said that efforts are being made to resolve the problems and provide infrastructure for smooth functioning of online classes from the campus. The presence of the teachers in the campus makes the campus come alive. The teachers who are not doing their academic duties properly are engaging in academic corruption and like any other systemic corruption, academic corruption will also not be tolerated. The registrar Professor N K Shukla proposed the vote of thanks. He said that the Vice Chancellor needs to be thanked for giving her permission to show the documentary based on the life of the freedom fighter Shyamji Krishna Verma, at such a short notice. He added that the life of Shyamji Krishna Verma will inspire students and tell them that apart from the few well-known names there are thousands of lesser known or completely unknown faces who gave up their all for independence. Shyamji had resolved that he will only come back to India after it becomes Independent and he died before independence. His ashes were brought back to the country by the then Chief Minister and our present Prime Minister Shri Narendra Modi ji, and a Memorial was built in his honour in Gujarat. The Registrar said that the life of such freedom fighters will inspire the students, to understand and respect the values of freedom democracy and the Republic of the country. The programme was anchored and conducted by Dr. Jaya Kapoor.



## Independence Day



75th Independence Day celebrations were held with great enthusiasm in the premises of Allahabad University. Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava hoisted the National Flag in the university campus at 10:00 a.m. All the teachers, administrative officers, non-academic staff and students of the university were present on this occasion. The guidelines of Covid-19 were followed during the program. The Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava, in her brief address, remembered the martyrs who had sacrificed their lives for freedom. She said that nation building is the shared moral responsibility of all of us. The Vice Chancellor suggested to all the teachers and students of Allahabad University to take both the doses of the vaccination to protect against the corona virus. She said that we as teachers and students are the enlightened class and are the foundation stones of the structure of the nation. The edifice of tomorrow will stand on this foundation. We have to make it strong so that grand building of tomorrow can stand firmly. During her speech, the Vice Chancellor also read lines from Jaishankar Prasad:-

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती ।  
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला, स्वतंत्रता पुकारती ॥  
अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ प्रतिज्ञा सीच लो ।  
प्रशस्त पुण्य पंथ है, बड़े चलो बड़े चलो ॥



## Foundation Day



Plantation by Hon'ble Vice Chancellor with the Garden in-charge Prof. N.B.Singh on Thornhill Road

The plantation drive to celebrate the 134th Foundation of the University was held with enthusiasm throughout the campus. The V.C. Prof Sangita Srivastava initiated the drive by planting saplings on Thornhill Road early in the morning. The Hon. Chancellor Mr. Ashish Kumar Chauhan, in his message, greeted the university fraternity and said that the day is an occasion to celebrate the past glory and look at a new future. The Hon. Vice Chancellor, Prof Sangita Srivastava in her message said that she has seen the entire university community come together as a big team to extend co-operation and support in all her endeavours, and she is committed to try to put the university among the best. The drive to beautify and clean the campus has been on since before the Covid lockdown. The faculty members and non teaching staff got together to plant saplings of variety of decorative plants keeping in sync with the aesthetics of dept. The Garden In-charge Prof NB Singh ensured that required plants and mali were available to assist in the plantation drive.



Plantation by teachers in NSS Compound



Tree plantation by teachers in the gardens of various Departments



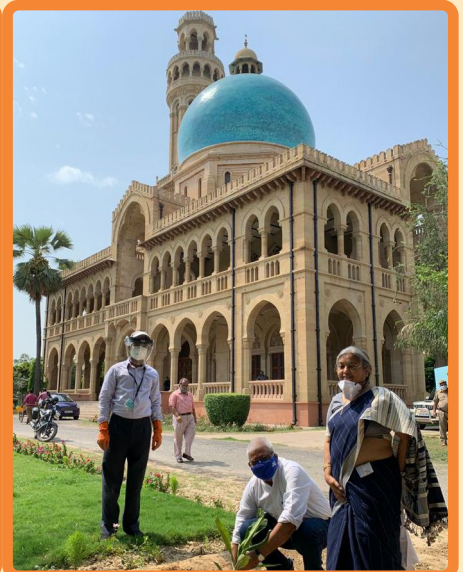
## Environment Week



Hon'ble Vice Chancellor, Garden Incharge Prof. NB Singh and Prof. Shekhar Srivastava inspected the campus beautification in the Faculty of Science



A beautification drive is being carried out in the Allahabad University campus. Vice Chancellor Prof Sangita Srivastava began the first phase of the programme in the Faculty of Science on 01 June 2021. The drive ran throughout June and July. There are a total four faculties including Arts, Science Commerce and Law. Under this campaign not only will new trees and seasonal Flowers will be planted in the university campus, but the bushes and garbage will also be cleaned. Registrar Prof. Narendra Shukla, Professor Shekhar Srivastava, Dean of Faculty of Science, Prof. Garden Incharge Prof. N.B. Singh were also present on the occasion of the inauguration of the drive.



Hon'ble Vice Chancellor, Registrar Prof. N.K. Shukla, Garden Incharge Prof. NB Singh and Dean Science Faculty Prof. Shekhar Srivastava inspected the beautification of the Vizaianagaram Hall Complex

## Farewell of Retired Teachers

On 04.03.2021 a Farewell Ceremony was held in the Vizianagaram hall for the teachers who retired from the university in the past year. The chief guest on the occasion was Mr. Arvind Kumar Sharma. The program was chaired by the Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava. The Chief guest Arvind Kumar Sharma remembered his days as a student and said “I was a student of Allahabad University, my teachers had always inspired me and I continue to hold the teachers in highest regard.” On this occasion many seniors teachers retiring from the university were honored with a memento.



## Building Bridges

Allahabad University Vice Chancellor Prof. Sangeeta Srivastava called on the newly appointed Union Education Minister Shri Dharmendra Pradhan ji on 14.07.2021. On this occasion, she conveyed best wishes on behalf of the entire university family and presented a bouquet. She expressed confidence that the path for the development of the university would be paved under his leadership.



Vice Chancellor met the I.I.M. Ahmedabad Director Prof. Errol D'Souza and discussed potential areas of cooperation



Hon'ble Vice Chancellor Prof. S. Srivastava in meeting with the Hon'ble Justice Bela Trivedi, Supreme Court of India, Hon'ble Justice Soniya Gokani Gujarat High Court



The Vice Chancellor represented the University in the All India Womens Vice Chancellor organized by Dr. Baba Saheb Ambedkar Open University, Gujarat



The Vice Chancellor felicitated the Russian Scholar of Hindi Dr. Maxim Be Damchenko assuring him of cooperation in research of Ram Kavya

## Infrastructure including new hostels

Four new buildings are being constructed in the university including one of the women's Hostel, one Men's Hostel, one Student Activity Center and the Ishwar Topa Complex. The hostels have capacities of

Women's Hostel 124 seat

Men's Hostel 224 seat

International Hostel 34 seat

Women's hostel is ready and the rest of the two constructions are in the final process. These will soon be ready for allotment.

Several oxygen concentrators have also been given to the university under CSR. A new ambulance has been purchased to enhance the medical facilities.



Hon'ble Vice Chancellor inspected the Badminton Court under construction in the Student Activity Center complex.



The University provided with oxygen concentrators under CSR



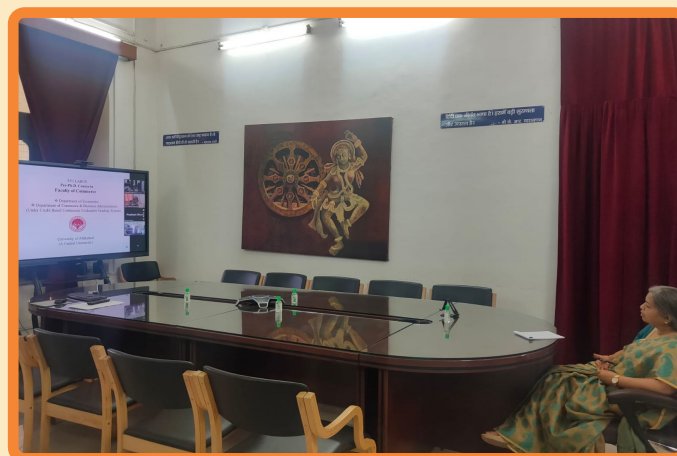
The Hon'ble Vice Chancellor, Registrar, Engg. of University the progress in construction of Ishwar Topa Complex



The new ambulance procured by the University

## New education policy

The University of Allahabad will shortly embark upon a new academic path which will be guided by the National Education Policy launched in July 2020 by the union government. The Vice Chancellor Prof Sangita Srivastava has already started preparations with a series of meetings of the Deans and other invited experts. The changes being worked out by the high level committee of experts include transition of the undergraduate programme from the present three year to a four year programme. As mandated by the NEP, the new programme would be more student centric, giving flexibility to students to pursue their passion at the same time enhancing their skills. An important point of the UG programme would be its flexibility with regard to multiple entry and exit options with different duration of course undertaken leading to a certificate, a degree or an honours. An important aspect being looked by the experts at Allahabad University is the incorporation into the first year of some Foundation Courses and Skill Enhancement modules. There is going to be a focus on language proficiency and soft skills. A plethora of new and innovative papers including Artificial intelligence, Indian Classical music, Philosophical thought, Folk arts, Yoga and health, Indian culture and ethos, Vedic maths etc will be offered to students as part of the UG course during the first year.



Review meeting for the proposed Integrated Courses and Pre Ph.D. program



Discussion with Principals of the constituent colleges of the University



Meeting of the committee regarding on NEP



Brainstorming on the NEP with the Deans and the Heads

## Visit of Education Minister of State Shri Sanjay Dhotre

Universities can help connect the rural India with the urban India through their outreach programs especially in tribal villages, said the Hon'ble Minister of State, Ministry of Education, Government of India Sri Sanjay Dhotre, who visited the university of Allahabad on Dec 11, 2020. In his address to the faculty the Minister stressed upon the importance of outreach programs in creating a chain of knowledge. He emphasized that University must connect with the schools so that when students come into the university, they are ready for training in higher education. It will help the university equipping them with knowledge and competence instead of having useless degree. He also said that ministries like Women and Child Development, Information technology, Rural Development would like to rope the university in to development projects and framing of policies so that the valuable pool of the knowledge of the faculty is used in the best national interests. He also focused on the adoption of villages specifically tribal villages for development and uplift of these areas.

Earlier the Hon'ble Vice Chancellor Prof S Srivastava extended a warm welcome to the Hon'ble Education minister in the North hall. She gave a brief of glorious history of the University of Allahabad and talked about the NEP 2020.

Dean, Research and Development, Prof, S I Rizvi gave a brief presentation of ongoing projects in various departments of the university of Allahabad

A vote of thanks was extended by the registrar Prof. NK Shukla. The minister also inspected the Senate hall building. He was very interested in the Heritage and history of the building and made extensive enquiries. His presence and address has evoked an enthusiastic response from the faculty.



Hon'ble Vice Chancellor welcomes Hon'ble MoS Shri Sanjay Dhotre



Hon'ble MoS Shri Sanjay Dhotre on a tour of the Senate Hall Complex with the Hon'ble Vice Chancellor, the Registrar and others



Hon'ble Vice Chancellor present a memento to the Hon'ble MoS Shri S. Dhotre

## *Our New Hon'ble Chancellor Ashish Kumar Chauhan*

The Hon'ble President of India in his capacity as Visitor of the University has appointed Shri Ashish Kumar Chauhan as the Chancellor of University of Allahabad for a period of five years w.e.f. 10-05-2021. Sri Ashish Kumar Chauhan is the MD & CEO of BSE (Bombay Stock Exchange). Sri Ashish k.Chauhan is one of the founders of at NSE (National stock exchange) and is considered the father of modern financial derivatives in India due to his work there from 1993-2000. He is also the creator of Nifty index and was in charge of creating the first screen-based trading. Under his dynamic leadership since 2009, the BSE become the fastest exchange in the world with 6 microseconds response time. He also enabled the BSE to complete its IPO, revive its revenues, introduce mobile stock trading to India, diversify in areas such as currency, commodities and equity derivatives, SME, start-ups, Mutual fund distribution, IPO/bond distribution, insurance distribution, agri spot market, and international exchange Sri Ashish K Chauhan has acted as the CEO of IPL cricket team Mumbai Indians in its formative years and worked as the President and CIO of Reliance group from years 2000 to 2009 in the field of IT, e-commerce, public relations, media, telecom, sports, organised retail, IPO, petrochemicals, refining, oil and gas etc. He started his career as a banker with IDBI. He has spoken at conferences organised by UN, WEF, WFE, UNCTAD, OECD, Commonwealth etc. as an expert. He has been a part of the policy committees of Ministry of finance, Ministry of MSME, CBDT, RBI, SEBI etc. He also headed the South Asia Federation of Exchanges (SAFE) consisting of 20 plus exchanges. He has won several prestigious Indian and international awards over last 3 decades including Digital Icon of the Year, Asian Banker, Top 50 CIOs in the world etc. He serves on the board of prestigious Indian universities including IIMs, AJNIFM, NITS, NIITs etc. He is a distinguished visiting faculty at Ryerson University in Toronto and Honorary Professor at Nottingham University Business School. He has co-authored a book titled on BSE 'A temple of wealth creation A book titled 'Sthithpragya - The process of Maintaining Equilibrium' has been written on his life journey. The teachers and staff of the University of Allahabad including the constituent colleges are very happy that their institution is getting the advantage of leadership and experience of such a distinguished and dynamic person as Mr Ashish Chauhan and have extended a warm welcome to him as part of the university family. His association with the university at such a crucial time when the university is on its path of revival as a vibrant premier institution of higher education and research will be inspiring and encouraging for the institution.

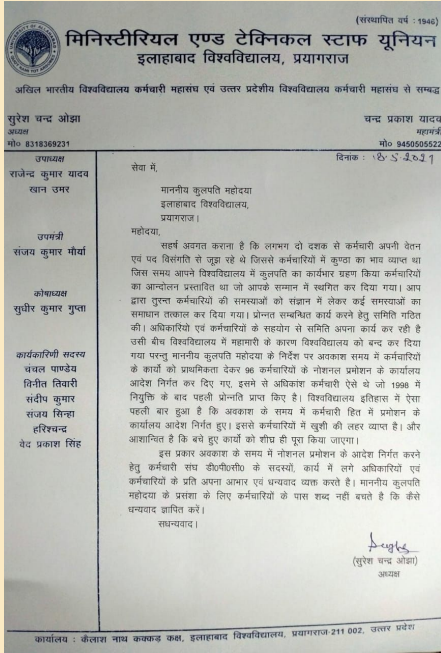


## *MoU with SETU Global Foundation*

A Memorandum of Understanding (DW) was signed between Allahabad University and Setu Global Foundation for the purpose of mutual cooperation in various areas. This agreement was signed by Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava on behalf of Allahabad University and Miss Priya Tandon and Dr. Nandini Tandon on behalf of the Foundation. The scope of this program is to be educational. To achieve the objective, world class academicians, industry executives and top national level leaders will also be roped in. This participatory program will work in several key emerging areas of research including conservation, social justice, sustainable development, Information Technology, Environment conservation



# Reaching out beyond COVID-19



University Campus had been shut down in view of the Corona crisis for the past few weeks but the machinery wheels kept working in the online mode. As a result the issue of promotion of 96 non teaching employees of the University has been resolved and the necessary orders have been issued. When Professor Sangita Srivastav took charge as the vice chancellor of the university in November last year, one of the top points in the agenda she had spelt out for herself had been the promotion and appointment of the non teaching staff of the University. It was an issue that had been kept on the back burner by the administration for the past 23 years, as a result there have been no promotions for the non teaching employees of the university for over two decades.. Under the direction of the Hon Vice chancellor Prof Sangita Srivastava work began on the issue as she constituted a high level committee of senior teachers and officials to give recommendations. With the recommendations given and approved, in a historic moment for the university of Allahabad for the first time in 23 years almost hundred employees of the ministerial cadre have been promoted. These include 47 Junior Office Assistant's/ Office Assistants promoted to Senior Assistant, and 49 Junior Office Assistant promoted to Office Assistant. Most of those promoted had been appointed in 1998. They have got their first promotion with this

decision. After these notional promotions now a post wise seniority list will soon be published and then promotion to higher post of Section Officer will be made. The committee has been working non-stop to resolve the complex issues. Several members of the committee battled with Corona in the period and the meetings shifted from offline to online mode. Finally the committee gave its long awaited recommendations and the necessary office orders have been issued and circulated among concerned employees. The promoted employees have written a letter to express their happiness and gratitude towards the Hon'ble Vice Chancellor and University administration for their effort to bring things to a resolution especially in the light of the on going pandemic situation that they had to battle with. They appreciated the fact that for the first time in the history of this university decisions have been taken regarding the welfare of the employees even when the university was going through a shutdown. They have expressed their confidence that the matters which are remaining now will be resolved at the earliest. With the process of these promotions completed the path was cleared for beginning the process of fresh appointments in the non-teaching categories

## इविवि की कुलपति ने कहा-शुक्रिया डॉक्टर्स

पार्यन्तर समाचार सेवा। प्रयागराज

केंद्रीय इविवि इलाहाबाद के समय पर बंद होने से कोरोना संक्रमण को थ्रुखला टूट गई। इस कारण अन्य विश्वविद्यालयों को मुलाना में काफी हद तक विवि पर नियंत्रण प्राप्त कर संकेत कुलपति ने कोरोना के वरक प्रभाव और अपने को चुके साधियों को भी बेहद धन्युक अंदर में याद किया है। उन्होंने लिखा कोरोना के वरक प्रभाव के कारण इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 30 प्रोफेसरों को कोरोना के कारण असमय मृत्यु हुई तो बहुत दुःख हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कोरोना का आतंक समय रहते रुक गया। यहाँ पर भी 7 साधियों को असमय हमने खोया। जिसमें तीन शिक्षक तथा चार गैर शैक्षणिक कर्मचारी थे। चार सौ संघटक कॉलेजों में 80 हज़ारे जिन्हें खोया है उनकी कमी हमेशा खलेगी। यहाँ अधिकांश कोरोना संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना संक्रमित को 24 अप्रैल 2021 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर और संघटक

महाविद्यालयों के समय पर बंद होने से कोरोना संक्रमण को थ्रुखला टूट गई। इस कारण अन्य विश्वविद्यालयों को मुलाना में काफी हद तक विवि पर नियंत्रण प्राप्त कर संकेत कुलपति ने कोरोना के वरक प्रभाव और अपने को चुके साधियों को भी बेहद धन्युक अंदर में याद किया है। उन्होंने लिखा कोरोना के वरक प्रभाव के कारण इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 30 प्रोफेसरों को कोरोना के कारण असमय मृत्यु हुई तो बहुत दुःख हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कोरोना का आतंक समय रहते रुक गया। यहाँ पर भी 7 साधियों को असमय हमने खोया। जिसमें तीन शिक्षक तथा चार गैर शैक्षणिक कर्मचारी थे। चार सौ संघटक कॉलेजों में 80 हज़ारे जिन्हें खोया है उनकी कमी हमेशा खलेगी। यहाँ अधिकांश कोरोना संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना संक्रमित को 24 अप्रैल 2021 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर और संघटक



कुलपति प्रो सगीता श्रीवास्तव।

विवि परिसर को सील करने के साथ साथ समस्त संघटक कॉलेजों को बंद करने का फैसला लिया। अध्यापकों कर्मचारियों को अपने स्तर पर सार्वक सुलभ दिया। कई हफ्तों तक विवि और संघटक कॉलेजों के 300 कर्मचारी होम आइसोलेशन में थे। अंतिम के महीने में ही तीन गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी सस् में छेड़ कर अंत यात्रा के लिए परमाना में लिनन हो गए। बिछड़ चुके साधियों की स्मृति में 24 अप्रैल 2021 को आयोजित ब्रदार्जित सभा को वीडियो

कॉन्स में सभी के चेहरों पर बीमारी के शिकार होने का डर साफ़ीत पर दिख। कुलपति प्रो संगीता ने लिखा कि मैंने डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ को रात दिन काम करते हुए देखा। उम्मीद न होने के बावजूद डॉक्टर और उनकी टीम मेरे सहकर्मियों को पूरी शिस्त से आईसीयू में देख रहे थे। वे हर वक मरीज से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे और अपनी पूरी क्षमता से उनका बेहतर इलाज कर रहे थे। पर मैं कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने लिखा मैं अपने हृदय को गहराई से मानना को सेवा में लगे सारे डॉक्टर नर्सों और मेडिकल स्टाफ का शुक्रिया अदा करती हूँ। आप सभी लोग कोरोना के वरक राक्षस से दिन रात लड़ रहे हैं। बिना डरे बिना कहे बिना थके जबकि आपके कई फिक्रसक साथी सशरीर दौरेन अपनी जान गँवा चुके हैं। आप मानना को बचाने के लिए जिस जोश और जल्द के साथ आगे बढ़ रहे हैं वह हमेशा याद रहा जाएगा।

## कोरोना काल में अनाथ हुए छात्रों को मुफ्त शिक्षा देगा इविवि

● विवि ने जिला प्रशासन को मेजा प्रस्ताव, बच्चों को देना होगा मृत्यु प्रमाणपत्र

प्रयागराज। फाफामऊ स्थित राजार्थ टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की तर्ज पर इलाहाबाद केंद्रीय इविवि (इविवि) ने भी कोरोना संक्रमण के समय अपने माता और पिता दोनों को खो चुके वारहवों पास छात्र छात्राओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने का अहम निर्णय लिया है। कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव के निर्णय से कोरोना प्रभावित बच्चों को काफी मदद मिलेगी। कुलपति ने इस आशय का प्रस्ताव प्रयागराज प्रशासन को भेज दिया है। कोरोना में अपने माता पिता को खो चुके बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय हर संभव मदद करेगा। इसके लिए उन छात्र छात्राओं को कोरोना से दिवंगत माता पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र इविवि को उपलब्ध कराना होगा। इलाहाबाद इविवि के सहायक जनसंपर्क अधिकारी डा

चितरंजन कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी ने पिछले दो सालों से देश के जन जीवन पर गहरा असर डाला है। इससे मानसिक शारीरिक और आर्थिक तौर पर लाखों लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एपीआरओ डा सिंह ने बताया कि एक अनुमान के मुताबिक करीब नौ हजार बच्चों ने कोरोना महामारी में अपने माता या पिता और किसी ने तो माता पिता दोनों को खोया है। ऐसे में सरकार के कंधों पर बच्चों के लालन पालन भोजन और शिक्षा की जिम्मेदारी है। माता-पिता को खो चुके बच्चियों को समुचित सुरक्षा और उनका उचित पालन पोषण करना भी एक बड़ी चुनौती है। एपीआरओ ने बताया कि शिक्षा का केंद्र होने के कारण विश्वविद्यालय भी अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी समझता है। ऐसे में इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने आपदा के भयावह दौर में ऐसे बच्चों की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। इलाहाबाद इविवि की कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव को एक प्रस्ताव भी भेजा है। इस प्रस्ताव में कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने लिखा कोरोना की दूसरी लहर ने जन जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। एक अनुमान के अनुसार करीब नौ हजार बच्चे अपने माता पिता को खो चुके हैं। ऐसे विपरीत हालात में इन बच्चों के प्रति हम सबको जिम्मेदारी काफ़ी बढ़ जाती है। प्रयागराज जिला प्रशासन को भेजे गए प्रस्ताव में कुलपति ने कहा कि कोरोना के दौरान जिन बच्चों ने अपने माता पिता दोनों को खो दिया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय उनको आगे की पढ़ाई की पूरी व्यवस्था करेगा। ऐसे बच्चे जिन्होंने बारहवों कक्षा तक की पढ़ाई पूरी कर ली है उनकी आगे की पढ़ाई का पूरा भार विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। ऐसे बच्चों को अनिवार्य रूप से अपने दिवंगत माता पिता को मृत्यु का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। इसी आधार पर बच्चों को विश्वविद्यालय में प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे छात्र अगर विश्वविद्यालय में अपना नामांकन करवाते हैं तो उनकी पूरी भैस माफ की जाएगी।



## Convocation

The convocation ceremony of the university was held dignified and grand function. Chief Guest Union Education Minister Shri Dharmendra Pradhan, Chancellor Shri Ashish Kumar Chouhan, Vice Chancellor Prof. Sangeeta Shrivastava

All the members of the Academic Council and Executive Council of the University attended the convocation. Gargi Girls Hostel, Chandrashekhar Azad Boy's Hostel, Major Dhyan Chand Student Activity Center were also inaugurated.

550 students were given D.Phil degrees and 263 medals were distributed for the sessions 2018-19 and 2019-20. The Meghnad Saha award for Excellence in Research was given to Mr Raushan Kumar, Department of Biochemistry and Mr Srijan Anant, Department of Commerce and Business Administration. The Dronacharya award for Excellence in Teaching and Research was given to Dr. Rahul Patel, Department of Anthropology and Dr. Ena Gupta, Department of Family and Community Science (Home Science).

The Vice Chancellor said that in the glorious history of 135 years, Allahabad University has an important role in nation building. There are scholars, administrators and politicians from Allahabad University in every state and every part of the country.

Union Education Minister Shri Dharmendra Pradhan announced the establishment of Deendayal Upadhyay Chair in Allahabad University.

Cabinet ministers of Uttar Pradesh government



The Registrar led the procession of the Members of the Executive Council and the Academic Council along with the Chief guest, the Chancellor and the Vice Chancellor .



Three buildings were inaugurated by the Hon'ble Minister of Education a girls hostel, an international hostel and the student activity centre.



550 DPhil degrees and 263 medals were given during the Convocation 2021



# Convocation

Siddharth Nath Singh, Nand Gopal Nandi, Prayagraj MP Rita Bahuguna Joshi, Phulpur MP Kesari Devi Patel were also present during the convocation ceremony.



The Chief guest Hon'ble Union Education Minister Sri Dharmendra Pradhan. Hon'ble Chancellor Sri Ashishkumar Chauhan were gave away the medals to the winners.



Ministers of U. P. Government Sri Siddharth Nath Singh, Sri Nand Gopal Gupta 'Nandi' and M.P.s Dr. Rita Bahuguna Joshi and Smt. Keshri Devi Patel were present on the occasion.



550 scholars were given D Phil degrees during the convocation



Three buildings were inaugurated by the Hon'ble Minister of Education a girls hostel, an international hostel and the student activity centre.



Twelve students received the Chancellor's Medal for sessions 2018-19 and 2019-20

## Swarnim Vijay Mashaal

Prime Minister Narendra Modi lit up the 'Swarnim Vijay Mashaal' from the eternal flame at National War Memorial and started the 50th anniversary celebrations of Stellar victory of Indian Armed Forces in 1971 India Pakistan War. On 22 November 2021 the commemorative event of the Swarnim Vijay Varsh was held in the University of Allahabad where the Swarnim Vijay Mashaal was received by Hon. Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava from the General Officer Commanding Madhya Bharat Area, Lt. Gen S. Mohan, Vishisht Swa Medal, Sena Medal. G.O.C. Purva U.P. & M.P. Sub Area Maj. Gen. J.S. Bainsla was also present on the occasion.

There was an inspiring presentation of six patriotic tunes by the Army Symphony band.

The Music dept presented two songs There was a recital of poetry by Shlesh Gautam and Prof Rajaram Yadav, HoD Physics.

The Vice Chancellor remembered the days of war as a part of her childhood memories. She remembered Captain Mulla for his sacrifice.

The GoC Madhya Bharat said that it has been a wonderful reception in keeping with the high honour of the tradition of sacrifice that the flame of victory represents. The program was anchored by Prof Jaya Kapoor.



## Hindu Hostel

University has initiated its efforts to preserve its invaluable asset of the Hindu Hostel. The Executive Council in a meeting convened on 26/11/21 unanimously approved the proposal of taking over of the Madan Mohan Malviya University Hostel and its premises for a period of 29 years 11 months at lease rent of Rs. 1 per annum .

The decision of taking over had been first mooted and proposed by the Society more than 25 years back. Thereafter the Society has been regularly sending communication in the matter. With no action initiated on part of the university there was no development in the matter. When Prof Sangita Srivastava took over as the Vice Chancellor, a proposal to the effect was sent once again. She followed it up and the university will now be taking over the historic hostel and its property. This will help in better administration of the place and also enable to revive and take forward its glorious traditions.

The hostel had been built by the visionary nationalist leader and great educationist Mahamana Madan Mohan Malviya with 2.5 lakh rupee funds collected entirely as donations. The Executive Council, on behalf of the university, expressed its gratitude to Justice (retd) Girdhar Malviya, who is the patron of the Society, for the initiative he took and which will go a long way in expanding and improving the welfare and academic activities of the University.

The Executive Council also unanimously applauded the Vice Chancellor Prof Sangita Srivastava for her prompt response in initiating the process of the university taking over the property. The illustrious list of the alumni of the Hindu hostel include former president Shankar Dayal Sharma, nationalist leader Gobind Ballabh Pant, former Prime Minister Chandra Shekhar, poets Firaq Gorakhpuri and Sumitranandan Pant, and Nepal's former Prime Minister Girija Prasad Koirala.



A shawl and a memento were presented to Justice (Retd.) Girdhar Malviya, Allahabad High Court and patron of the Hindu Hostel Society by Vice Chancellor, University of Allahabad Prof Sangita Srivastava, as a token of thanks for giving Hindu Hostel to University of Allahabad. The Registrar of the University Prof. N.K. Shukla was also present on the occasion.